नव विवाहित जोड़ों के लिए जेनेटिक वाहक स्क्रीनिंग

“अनुवांशिक रोगों के प्रति जागरुकता जरुरी है”

Post Graduate Institute of Child Health, Sector 30, Noida

Department of Medical Genetics

क्या आप जानते हैं?

- भारत में 100 में से 1 व्यक्ति जीन(Gene) संबंधी जैविक विकारों (Hereditary Disorders)से प्रभावित होता है।
- प्रभावित बच्चों में से 80% उन परिवारों से होते हैं जिनका पूर्व में कोई इतिहास नहीं होता।
- प्रत्येक व्यक्ति 2-3 गंभीर रिसेसिव जेनेटिक (Recessive Genetic) बिमारियों का वाहक (Carrier) होता है।

जैविक विकार (Hereditary Disorders)क्या हैं?

- जैविक विकार एक स्वास्थ्य स्थिति है जो किसी व्यक्ति के जीन (Genes) में परिवर्तन (Mutation) के कारण होती है।
- ये परिवर्तन अनुवांशिक (Hereditary) रुप से प्राप्त हो सकते है या आकस्मिक (Acquired) रुप से हो सकते हैं, जो शरीर के विकास एवं कार्यों को प्रभावित करते हैं।
- यहाँ तक कि जो व्यक्ति स्वस्थ दिखाई देते हैं वे इसे अपने बच्चों को भी संचारित (Transmit) कर सकते हैं।

जेनेटिक वाहक (Carrier) स्क्रीनिंग क्या हैं?

- एक साधारण खून का परीक्षण जो यह जांचता है कि क्या आप और आपका साथी जीन्स में कुछ बदलावों के वाहक हैं जो अनुवांशिक विकारों से संबंधित हैं।
- यह शादी से पहले तथा गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण में किया जाना सबसे अच्छा है, ताकि आप उचित निर्णय ले सकें। इन जाचों के पहले जेनेटिक विशेषज्ञ से उचित सलाह आवश्यक है।

कुछ अनुवांशिक रोगों के उदाहरण जिनके लिए परीक्षण की सलाह दी जाती है:

- थैलेसीमिया (Beta Thalassemia)
- स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (Spinal Muscular Atrophy)
- ड्यूषेन मस्कुलर डिस्ट्रोफी (Duchenne Muscular Dystrophy)
- फ्रैजाइल एक्स सिंड्रोम (Fragile X Syndrome)

OPD Helpline : 0120-2524118

Monday to Saturday: 09:00am to 01:00pm

(Except Holidays)